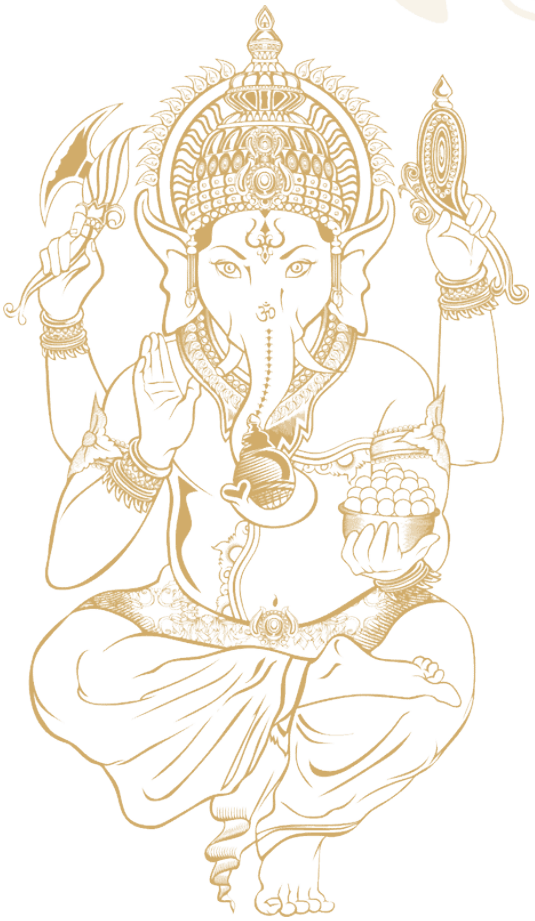

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119717502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/08/1997	जन्म तिथि	28/10/1996
मंगलवार	दिन	सोमवार
घंटे 13:45:00	जन्म समय	08:15:00 घंटे
घटी 19:37:41	जन्म समय(घटी)	04:18:41 घटी
India	देश	India
Sarsawa	स्थान	Gopalganj
30:01:00 उत्तर	अक्षांश	26:28:00 उत्तर
77:24:00 पूर्व	रेखांश	84:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:24	स्थानिक संस्कार	00:07:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:53:55	सूर्योदय	05:59:13
18:49:57	सूर्यास्त	17:12:44
23:49:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:46

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 6वर्ष 4मा 24दि	19:34:06	वृश्चि	लग्न	वृश्चि	09:41:21	सूर्य 4वर्ष 4मा 23दि
गुरु	09:18:28	सिंह	सूर्य	तुला	11:08:52	राहु
19/01/2022	24:28:36	वृष	चंद्र	वृष	00:13:31	23/03/2018
19/01/2038	13:40:58	तुला	मंगल	सिंह	04:58:07	22/03/2036
गुरु 08/03/2024	19:00:35	सिंह व	बुध	तुला	07:58:47	राहु 03/12/2020
शनि 20/09/2026	21:03:39	मक व	गुरु	धनु	18:23:39	गुरु 28/04/2023
बुध 25/12/2028	16:31:49	कन्या	शुक्र	कन्या	04:31:00	शनि 04/03/2026
केतु 01/12/2029	26:01:29	मीन व	शनि व	मीन	07:55:13	बुध 21/09/2028
शुक्र 01/08/2032	26:02:44	सिंह व	राहु व	कन्या	14:01:16	केतु 09/10/2029
सूर्य 21/05/2033	26:02:44	कुंभ व	केतु व	मीन	14:01:16	शुक्र 09/10/2032
चन्द्र 20/09/2034	11:49:43	मक व	हर्ष	मक	06:58:07	सूर्य 03/09/2033
मंगल 26/08/2035	03:50:43	मक व	नेप	मक	01:17:33	चन्द्र 05/03/2035
राहु 19/01/2038	09:03:03	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	08:06:34	मंगल 22/03/2036

लग्न-चलित

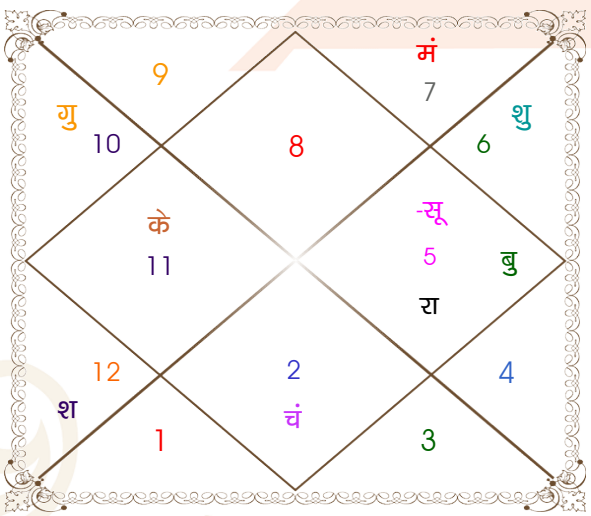

लग्न-चलित

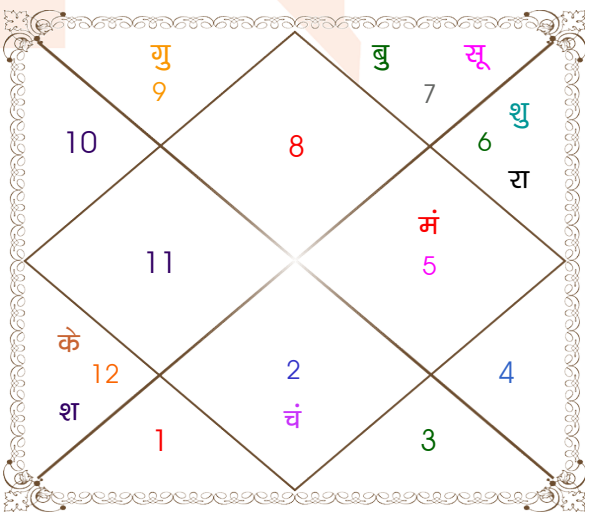

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मेष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.50		

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।